

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

यह कैसी उपेक्षा

राजनीति का मुख्य सिद्धांत जनसेवा है। इसके लिए जरूरी यह है कि जनता की समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाया ही न जाए बल्कि उनके हल, समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाने के प्रयत्न किए जाएं। संसदीय व्यवस्था के पीछे यही खास मकसद था। इसलिए यह भी स्वाभाविक बात है कि जननीतिनिधि संसद की बैठकों के दौरान सदानों में बवाबर मौजूद रहें और अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाते हुए सरकार को उनके बारे में कार्रवाई करने के लिए सतर्क करें। यह काम संसदीय समितियों की बैठकों में और कायदे से हो सकता है जिसमें काफी अनुभवी सासदों को रखा जाता है और बैठकों में अहम मुद्दों पर चर्चा होती है। उन्हीं चर्चाओं के आधार पर अवश्यक सुधार के कदम उठते हैं। इन्हीं निष्कर्षों से ही सरकारी योजनाओं का बेहतर ढंग से लागू होना और सभी पार्टी लोगों तक इसका लाभ पहुंचाना भी संभव हो पाता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से जरूरी है कि इन समितियों के सदस्यों की बैठकों में उपस्थिति अधिक से अधिक तथा नियमित रूप से रहे। पर खुद लोकसभा के अंकड़े बताते हैं कि लोकसभा की 16 स्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की मौजूदगी केवल साठ फीसदी रही है। इससे स्पष्ट है कि इन सासदों के भीतर जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं है। इस तथ्य की गंभीरता को इसी बात से समझा जा सकता है कि संसद में विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज से जु़री अलग-अलग समितियां होती हैं। वहीं विषय की प्रायः यह मांग होती है कि कोई भी विधेयक सदन में पेश किए जाने से पहले अध्ययन के लिए संबंधित स्थायी समिति के पास भेजा जाए। ऐसी अनिवार्यता की स्थितियां होने के बाद भी समितियों की बैठकों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की भावना सासदों में कम ही दिखाई देती है। यह विशुद्ध रूप से अपनी जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह से उपेक्षा भाव है जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मके अनुरूप नहीं है। यदि यही सिलसिला चलता रहा तो आपतौर पर बिना किसी नैतिक दबाव के काम करने की अप्यस्त सरकारें भी पूरी तरह और मनमाने ढंग से काम करेंगी। इसके साथ ही सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों की गुणवत्ता में भी निश्चित रूप से कमी आएगी जिनमें जनता के प्रति जिम्मेदारी की कोई भावना नहीं रहेगी। इसलिए संसद के सदस्यों को समझना चाहिए कि जनता उन्हें जिस उम्मीद से उठवें सदन में भेजती है, उसे वे पूरा करें।

गर्वाली उपलब्धि

सरकार का कहना है कि इस साल खाद्यान्त उत्पादन 6.5 फीसदी बढ़कर 3,539.59 लाख टन हो गया है। यह अब तक की संविधिक वृद्धि है। भारतीय कृषि के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

निश्चित ही यह उपलब्धि किसानों की अथक मेहनत, कृषि वैज्ञानिकों की कुशलता, केंद्र सरकार की किसान हितेजी योजनाओं और राज्य सरकारों के सहयोग से संबंध हुई है। धन, गेहूँ, मक्का, मूँफली और सोयाबीन के रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान है। इसके अलावा 2024-25 में धन उत्पादन 1,490.74 लाख टन (रिकॉर्ड), गेहूँ उत्पादन 1,175.07 लाख टन (रिकॉर्ड) और मक्का उत्पादन 422.81 लाख टन (रिकॉर्ड) हुआ है। रिकॉर्ड धन उत्पादन के कारण इस वर्ष चीन को पछाड़ते हुए भारत शीर्ष धन उत्पादक बन जाएगा। पोषक मोटे अनाजों का उत्पादन 621.40 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष से 52.04 लाख टन अधिक है। जबकि कुल दलहन उत्पादन में करीब 10 लाख टन की वृद्धि हुई है, हालांकि इनमें उड़द का उत्पादन घटा है। खाद्य उत्पादन में वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए बहुत सकारात्मक है। इसलिए कि अपने यह कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन में हमेसा ही बड़ी भूमिका निभाता रहा है। दूसरे अधिक उत्पादन से खाद्य मुद्रास्फीति कम रहेगी, जो बहुत बड़ी राहत है। कैंचिक उत्थल-पुथल के बीच रिकॉर्ड अनाज उत्पादन न सिर्फ भारत को जोखिम से मुक्त करेगा, बल्कि इसके जरिये सबसे तेज गति से अधिक वृद्धि का सिलसिला भी जारी रहेगा। खाद्यान्त उत्पादन में लगातार वृद्धि सिंचित क्षेत्रों में बढ़ोत्तरी और उत्तर बीजों के इस्तेमाल से ही संभव हो पायी है। वर्ष 2024 में मानसून की वर्षा सामान्य से अधिक रही, जो खरीफ के साथ-साथ रबी की बुद्धांत में भी काफी लाभकारी रही। चूंकि इस वर्ष भी मानसून की वर्षा सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है, ऐसे में अगले फसल वर्ष में भी कृषि उत्पादन से स्वाभाविक ही बड़ी उम्मीद है। अब जरूरी यह है कि खासतारौर पर हमारे कृषकों की इस मेहनत का सिलसिला बनाए रखें के लिए उनके लिए और प्रभावी कदम उठाए जाएं।



अहिल्याबाई का जीवन हमारे लिये प्रेरणायोगी

मतलब बांकेबिहारी मंदिर का अस्तित्व खतरे में! बंगल की जनता दिखाये सिंदूर की ताकत-शाह

गृहमंत्री की योग्यता तो पहलगाम में दिख गयी! पूर्वोत्तर राज्यों में दिखा बारिश का भयानक कहर

वैसे मानसून के लिये दिल्ली भी ज्यादा दूर नहीं! मई माह में दो लाख करोड़ की जीएसटी वसूली नेता न सही, देश की जनता तो ईमानदार है!

पाकिस्तान आतंकवाद का स्पांसर देश-ओवैसी डेलीगेशन न जाते तो दुनिया को पता नहीं था! दो दशकों के बाद मतदाता सूचियों में संशोधन केंचुआ से इससे ज्यादा रफ्तार की उम्मीद नहीं!





ज्येष्ठ माह का चौथा बड़ा मंगल

मंगल भवन अमंगल हारी



स्वतंत्र भारत

7

लखनऊ, मंगलवार, 3 जून 2025

धर्म - अध्यात्म

चौथा बड़ा मंगल आज, पूजा का महत्व और उपाय

ज्येष्ठ माह में हनुमान जी की श्रद्धा भव से पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दैरण भक्तों को

मंत्र
ॐ नमो हनुमते
रुद्रवत्तराय विश्वस्त्वाय
अमित विक्रमाय
प्रकटपराक्रमाय महाबलाय
सूर्य कोटिसम्प्रभाय
रामदृतय ख्याहा।

और इसका समापन 3 जून की रात 9:30 बजे होगा। मंगलवार को ही बड़ा मंगल का पूजन किया जाएगा।

इसके साथ ही इस दिन धूमावती जयंती और मासिक दुर्गाष्टमी का पर्व भी मनाया जाएगा।

उपाय

-बजरंग वाण का पाठ अवश्य करें।
अ॒ अ॑ इ॒ थ॒ क॒ पेरेशनियों को दूर करने के लिए तीव्र पूजे बड़े मंगल को हनुमान जी के साथ

पू. श्रीराम की भी पूजा करें।

पूजा की रात 8:35 बजे से होगी



रामायण का पाठ करना भी मन्यता है। बड़ा मंगल के शुभ अवसर पर भंडारे या प्रसाद वितरण का आयोजन करें।

इसके बाले सभी संकट और बाधाएं दूर हो जाती हैं।

-इस दिन हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाएं, लाल रंग का चोला पहनाएं और बूढ़ी का भोग लगाएं।

ये उपाय

बजरंगबली को प्रसन्न करने के लिए बोहं फलदारी माने जाते हैं।

-घुनामन मंदिर में नारियल अर्पित करें।

और लाल रंग का झंडा (ध्वज) चढ़ाएं।

ऐसा करने से

मनोकामनाएं पूरी होने की मन्यता है।

बड़ा मंगल का पाठ करना भी मन्यता है। बड़ा मंगल के शुभ अवसर पर भंडारे या प्रसाद वितरण का आयोजन करें। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन करना विशेष पुण्य का कार्य माना जाता है।

पूजा-विधि

प्रातःकाल सान के बाद स्वच्छ लाल वत्र धारण करें, फिर हनुमान जी को लाल पुष्प अर्पित करें, सिंदूर में चमेली का तेल मिलाकर चोला चढ़ाएं, साथ ही चना, गुड़ और नारियल चढ़ाएं।

हनुमान जी को बेसन या बूढ़ी के लहू का भोज लालाएं, फिर धी का दीपक जलाकर सुंदरकंदा या हनुमान चालीसा का वापन करें और आरती करें, तत का संकल्प लें और श्रीराम-सिता जी के साथ हनुमान जी की उपासना करें।

पूजा के अंत में शक्ता याचना करना न भूलें।

बड़ा मंगल का महादान
बुद्धवा मंगलवार के दिन मिट्टी की चीजों का दान भी बहुत ही शुभ माना जाता है। घड़े, मटके, सुडौली आदि का दान कर सकते हैं। ज्योतिश्च स्त्री में मंगल को गर्भ ग्रह माना जाता है। ऐसे में ठंडी चीजों का दान करने से मंगल के शुभ प्रभाव का जीवन करने से असर होता है। मांगलिक दोष से मुक्ति मिलती है।

गंगा दशहरा पर दुर्लभ योग में करें ये उपाय



गंगा दशहरा का पर्व ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन को 11 बार श्रद्धा से पाठ करें। माना जाता है कि इसपर जीवन में आने वाले संकट और बाधाएं दूर हो जाती हैं।

आत्मिक उत्तरि और शुद्धि का अवसर भी प्रदान करता है।

गंगा दशहरा तिथि

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि

आरंभ - 4 जून, बुधवार, रात्रि 11:

54 मिनट पर

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि

समाप्त - 5 जून, शुक्रवार, रात्रि

02:16 मिनट तक।

गंगा दशहरा 2025 स्थान मुहूर्त

गंगा दशहरा स्थान करने का ब्रह्म मुहूर्त 05 जून, प्रातः 04: 02 मिनट

से लकर प्रातः 04:42 मिनट तक है।

गंगा दशहरा पर करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें और उसे पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दें। इससे अर्थिक परेशनियां दूर होंगी और व्यापार में सुधार होता है।

गंगा स्तोत्र का दान करें ये विशेष उपाय

एक साक कागज पर गंगा स्तोत्र लिखें



18 साल का सूखा खत्म करने उतरेंगे बैंगलुरु और पंजाब

नई दिल्ली। रँगल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में आमने-सामने होंगी तो उनका लक्ष्य यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने का 18 साल का इंतजार खत्म करना होगा। सभी की निगाहें हालांकि हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर टिकी रहेंगी जो शुरू से आरसीबी से जुड़े होने के बावजूद अभी तक अपनी

टीम को आईपीएल का चैयरियन नहीं बना पाए हैं। आरसीबी और कोहली का यह चौथा फाइनल होगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले में कोहली का समर्थन करने के लिए 18 नवंबर की जर्सी पहने हजारों प्रशंसक नजर आ सकते हैं। आरसीबी ने अपनी पिछली समस्याओं को पीछे छोड़कर इस बार शुरू से लेकर अंत तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने पहले क्लालीफायर में पंजाब को आठ विकेट से हारकर फाइनल में प्रवेश किया और उनकी टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होगी। कोहली (614 रन) ने हर साल की तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह इस साल भी आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ रहे। इस बार उन्हें अन्य खिलाड़ियों का भी अच्छा सहयोग मिला जिसने मुख्य अंतर पैदा किया। इस वर्ष कोहली अकेले ऐसे खिलाड़ी नहीं रहे हैं जिन पर सबका ध्यान केंद्रित रहा है, बल्कि उन्होंने चुपचाप आरसीबी को मजबूत करने का काम किया है।

फिल साल्ट ने भारतीय सुपरस्टार का अच्छा साथ देकर आसरीबी को अच्छी शुरूआत दिलाई, जबकि मरांक अग्रवाल, कसान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा बल्लेबाजी क्रम के भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। टिम डेविड चॉटिल होने के कारण आसरीबी के पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए इसलिए यह देखना बाकी है कि वह इस मकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। उन्होंने

रोमायियो शेफर्ड के साथ मिलकर डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गेंदबाजी में शांत और धैर्यवान जोश हेजलबुड (21 विकेट) ने आरसीबी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह अर्डीपीएल के वर्तमान सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अभी चौथे स्थान पर है। मुल्लांगुर में अपने घेरेल मैदान पर पहले क्लालीफायर में आरसीबी



सप्तशुष्ठु पाणि क बाद बाल
श्रेयस, काम अभी अधूरा है
क्रमान् श्रेयस अय्यर के लिये काम अर्भा

कामन ब्रियस अच्यर क लिय काम अभा
अधूरा है क्योंकि उनकी नजरें नयी टीम
पंजाब किंग्स के साथ लगातार दूसरा
आईपीएल खिताब जीतने पर लगी है। पिछले
साल कोलकाता नाइट राइडर्स को अपनी
कसानी में खिताब दिलाने वाले अच्यर ने मुंबई
के खिलाफ रविवार को 41 गेंद में नाबाद 87
कर 11 साल में पहली बार पंजाब किंग्स को
हारा में पहुंचाया। पंजाब का सामना फाइनल में
वेलेंजर्स बैंगलुरु से होगा। अच्यर ने आईपीएल
सत्र में करीब 176 की स्ट्राइक रेट से छह
समेत 16 पारियों में 603 रन बनाये हैं।
फाइनल से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, “टीम
जीतना सबसे अच्छा अहसास है और दबाव
तो मैं इसे अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी कहूँगा।” उन्होंने
लात के अनुरूप खेलने की कोशिश करता हूं
गे की नहीं सोचता। अगर मैं लक्ष्य का पीछा
रुरी स्नरेट देखता हूं और यह कि विकेट कैसा
बाज आने हैं।” उन्होंने कहा, “इसके आधार
बनाता हूं और मैच को आखिर तक ले जाने
ता हूं।” अच्यर ने कहा कि काम अभी आधा
ररविवार को उनका जशन मनाने का मन नहीं
कहा, “अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हमें कल
बेलना है। मैं यही सोच रहा हूं कि अभी काम
कल फिर खेलना है।”



प्रदर्शन करना होगा : पाटीदां
यैल चैलेजर्स बैंगलरु (आरसीबी) के कमान रजा

बासीसा आई '18 नबर को जसा' को टेस्ट से 'रिटायर' करेगा? नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम में बताया, "मकेश ने डॉनलैंड लायंस के विगत कोटली के पात्र और

नड़ दिल्ली। माराठा पृष्ठ टान में निकर भविष्य में कोई भी खिलाड़ी दिग्गज विराट कोहली की 18 नंबर की जर्मी नर्सी प्रदेशी जॉ. शिल्पे 14 बताया, मुकरा न इलेक्ट लायस किलिफां पहले 'टेस्ट' मैच में 18 नंबर की जर्मी पहनी ही। लिकन थार्म प्रीमी में बोर्ड चिह्नित नंबर

का जसा नहीं पहनगा जा पाए। 14 साल से उनके पास रही है, हालांकि बंगाल के तेज गेंदबाज मुकरा कुपार को कैंटरबरी में झिड़िया ए और इंलैंड लायंस के बीच पहले अनौपचारिक 'टेस्ट' के दौरान 18 नंबर की जर्सी पहने देखा गया। हालांकि कोहली ने अभी भी वनडे से संन्यास नहीं लिया है जिसमें वह भारतीय टीम के लिए इस 18 नंबर की जर्सी में खेलते हुए भारत ए टाम म काइ नाश्चत नवर नहीं होता है क्योंकि जर्सी पर नाम नहीं होते हैं। कोई भी खिलाड़ी कोई भी 'रैम्प' नंबर चुन सकता है। जर्सी नंबर केवल अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए ही मान्य है।" भारतीय टेस्ट टीम में दो नये सदस्य बी साई मुद्रशन और अर्शदीप सिंह शामिल हुए हैं लेकिन उन्हें जो जर्सी नंबर दिए गए हैं, वे अलग हैं।

देखेंगे। लेकिन यह माना जा रहा है कि जैसे सचिन तेंदुलकर (जर्सी नंबर 10) और महेंद्र सिंह धोनी (जर्सी नंबर 7) की जर्सी कोई नहीं पहनता, उसी तरह कोई भी नया खिलाड़ी 18 नंबर की जर्सी की जिम्मेदारी उठाना चाहेगा। मुकेश टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं है और आप उन्हें किसी खिलाड़ी की जगह चुना भी जाता है तो उनकी जर्सी का नंबर 49 होगा जो उन्होंने वेस्टइंडीज में अपने सीनियर टीम के पदार्पण के दौरान पहना था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सीनियर अधिकारी ने पीटीआई को भारतीय टीम में किसी विशेष जर्सी नंबर को अधिकारिक रूप से 'रिटायर' करने प्रथा नहीं है लेकिन कुछ मशहूर नंबर बाद में टीम में शामिल हुए खिलाड़ियों ने नहीं पहने हैं। एक दफा शारुल ठाकुर ने श्रीलंका में एक मैच में 10 नंबर की जर्सी पहनी थी लेकिन खेल प्रेमियों को यह गवारा नहीं हुआ और इस खिलाड़ी को अपना जर्सी नंबर बदलना पड़ा। जहां तक धोनी की बात है तो उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद किसी ने भी सात नंबर की जर्सी नहीं बनी है।

इंग्लैंड लायंस और भारत ए के बीच मैच इँवें दहा

निःदला भारत ए आर इंग्लॅलयांस के बीच पहला अनौपचारिक टेस्ट मैच चौथे और अंतिम दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत ने करुण नायर के दोहरे शतक की मदद से पहली पारी में 557 रन बनाए थे, लेकिन टॉम हेस्स, डेन मोसले और मैकेवस होल्डन के शतकों की मदद से इंग्लैंड लायंस ने पहली पारी में 587 रन बनाकर 30 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 241 रन बनाए। इस मुकाबले की दोनों पारियों में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। दूसरी पारी में भारत के लिए शीर्ष क्रम के चारों बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए। पहली पारी में सस्ते पर आउट हुए यशस्वी जयसवाल और कपासन अभिमन्यु इश्वरन ने पहले विकेट के लिए 123 रन जोड़े। रेहान अहमद ने यशस्वी को आउट कर भारत ए को

राजाव शुक्ला बन
सकते हैं बीसीसीआई
के कार्यवाहक अध्यक्ष
नई दिल्ली। बीसीसीआई अध्यक्ष रोहिं

बिन्नी का कार्यक्रम इस साल जुलाई में समाप्त होने वाला है। विश्व कप विजेता ऑलराउंडर 70 वर्ष के हो जाएंगे। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, 70 वर्ष की आयु तक पहुंचने के बाद कोई व्यक्ति पदाधिकारी नहीं रह जाता है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला संतंबर में होने वाली वार्षिक आम बॉटक से पहले तीन महीने के लिए अंतर्रिम अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल सकते हैं। एजीएम के दौरान, सांसद और पूर्व आईपीएल अध्यक्ष शुक्ला बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में पूर्ण कार्यकाल के लिए बड़े हो सकते हैं। शुक्ला वर्तमान में क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। राजीव शुक्ला इस प्रतिष्ठित पद के लिए किसी नए व्यक्ति के निर्वाचित होने तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। बिन्नी को 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, क्योंकि उन्होंने सौरव गांगुली से पदभार संभाला था।

**शेयर बाजार लाल निशान पर हुआ बंद, सेंसेक्स
77 अंक टूटा, निपटी 24750 से नीचे आया**

**सोना 330 रुपये गिरकर 98930 रुपये प्रति
10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी एक लाख के पार**

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को लाल निशान पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन निफ्टी और सेकेंस दोनों लाल निशान पर बंद हुए। जहां शुरुआती कारोबार में बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई हालांकि शाम को बाजार बंद होते-होते स्थिति थोड़ी संभली। सोमवार को जहां सेसेक्स में 77 अंक की गिरावट दर्ज की गई वहीं, निफ्टी 34.10 अंक पिपकर बंद हआ।

क्लोरिंग, जिसे दिल से फैशन ब्राण्ड के रूप में जान जाता है, ने अपने एसएस25 कैपेन का लॉन्च किया है, जो सजग जीवनशैली, वास्तविक कहनियों एवं बिंदास विकल्पों का जशन है। फैशन को अधिक उद्देश्यपूर्ण बनाने के मिशन के साथ एसएस25 एक सजग कंपनी बनने की बींग ह्युमन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बींग ह्युमन का नया कलेक्शन 100 फीसदी फीयरट्रेड, ओर्गेनिक एवं रीसायकल्ड कॉटन का संयोजन है, इसमें रीसायकल्ड पीढ़ीटी बोतलों से बनी डेनिम शामिल हैं। ये मटीरियल पर्यावरण के प्रति सजग फैशन और जिम्मेदाराना मैनुफैक्चरिंग के लिए ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। आर्यन अग्रिहीत्री, एकजकिटव डायरेक्टर, बींग ह्युमन क्लोरिंग ने कहा, “एसएस 25 फैशन को सजग बनाने के हमारे मिशन की दिशा में एक और

नड़ि टदल्ला। वांशक
बाजारों में मजबूत मांग के
बीच सोमवार को
राजधानी दिल्ली में सोना
330 रुपये बढ़कर
98,930 रुपये प्रति 10
ग्राम पहुंच गया। अखिल
भारतीय सर्सफा संघ ने
इसकी पुष्टि की है। 99.9
प्रतिशत शुद्धता वाली
पीली धातु शुक्रवार को
98,600 रुपये प्रति 10
ग्राम पर बंद हुई थी।
99.5 प्रतिशत शुद्धता
वाला सोना 300 रुपये
बढ़कर 98,400 रुपये प्रति 10
ग्राम (सभी करों सहित) हो गया।
पिछले बाजार सत्र में यह 98,100
रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ
था। इसके अलावा, सोमवार को
चांदी की कीमत 100 रुपये बढ़कर
1,00,100 रुपये प्रति किलोग्राम

ट्रंप के फैसलों पर चीन ने जताई नाराजगी

बीजिंग। चीन और अमेरिका के बीच चल रहे ट्रैफिक वार के बीच एक बार पिछे तावाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीची छात्रों

कहा- नए आर्थिक-व्यापारिक तानाव भड़का रहा अमेरिका

के बीजा रह करने और कंप्यूटर चिप नियंत्रण निर्देश जारी करने के फैसले पर चीन ने नाराजगी जाहिर की है। चीन ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने उसके दिवों को नुकसान पहुंचाने वाले कदम उठाए हैं। साथ ही अमेरिका नए आर्थिक और व्यापारिक तावाव को भड़का रहा है। चीन ने बाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि



ट्रंप के कैफियतों में बहीं जेनेवा में व्यापार चर्चाओं के दौरान बनी आम सहमति का उल्लंघन है। चीन-अमेरिका के संयुक्त बयान का जिक्र करते हुए मंत्रालय ने कहा कि चीन ने समझौते के बाद अमेरिका द्वारा

लगाए गए जवाबी ट्रैफिक के विरुद्ध ट्रैफिक और गैर-ट्रैफिक उपयोगों को रह या नियंत्रित करते हुए समझौते पर अपनी प्रतिबद्धता बरकरार रखी है। जबकि अमेरिका ने एकत्रफा ढंग से दरुथ सोशल पर लिखा था कि बुरी

को भड़काया है। इससे द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में अनियंत्रित और अस्थिरता बढ़ रही है। जबकि चीन अपनी प्रतिबद्धताओं पर कायम है चीन ने बदला लेने की धमकी देते हुए कहा कि चीन अपने हितों की रक्षा के लिए दृढ़ और सशक्त कदम उठाना जरी रखेगा बयान में कहा गया कि खुद पर व्यापार करने के बजाय इसके लिए चौंकना ने विश्वास करते हुए चीन पर आम सहमति का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जो सरासर गलत है। चीन और अमेरिका के बीच विवाद ट्रंप के बयान के बाद बढ़ा। ट्रंप ने दरुथ सोशल पर लिखा था कि बुरी

खबर यह है कि चीन ने हमारे साथ अपने समझौते का पूरी तह से उल्लंघन किया है, जो कुछ लोगों के लिए चौंकने वाली बात नहीं है। अब मिस्टर नाइट गांग बनने की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने ऑवल ऑफिस में कहा कि वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करेंगे और कोशिश करेंगे कि कोई सामाजिक व्यवस्था के लिए चौंकने वाले लोगों तात्परता नहीं है। ट्रंप ने घोषणा की कि वह अमेरिका में पढ़ने वाले चीनी छात्रों के बीजा रह करना शुरू कर देगा। इसके अलावा अमेरिका चीन की कंप्यूटर चिप्स तक पहुंच को रोकना चाहता है।

मंत्री। सऊदी अरब सरकार ने बिना परमिट के हज करने की कोशिश कर रहे दो लाख 69 हजार 678 मुसलमानों को माझे में प्रवेश करने से रोक दिया है। यह कदम हज यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए उठाया परियंत न होने पर की गई कार्रवाई गया है।

हज इस्लाम का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वहां हर साल लाखों लोग हज पर आते हैं, जिससे भारी भड़ा और सुरक्षा मुसलमानों पैदा होती है। पिछले साल ट्रंप प्राप्तिने ने घोषणा की कि वह अमेरिका में पढ़ने वाले चीनी छात्रों के बीजा रह करना शुरू कर देगा। इसके अलावा अमेरिका चीन की



सरकार की तरफ से सऊदी के नागरिकों और प्रवासी दोनों पर कार्रवाई की जाएगी। वहां हज नियम तोड़ने वाले 23,000 से अधिक लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। वहां 400 हज कंपनियों के जुर्माना लगाया जाएगा।

जो बाइडेन पर ट्रंप का अजीबोगरीब दावा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक कॉन्सर्विंसी शर्यारी शेरब की है। ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के पूर्व

कहा चह तो कब के मर गए,

उनकी जगह रोबोट हैं

राष्ट्रपति जो बाइडेन 2020 में मारे जा चुके हैं। दावों का सिलसिला यही नहीं रुका। उन्होंने यह भी कहा कि जो बाइडेन के एक रोबोट को लाया गया था, जिसने बाइडेन की जगह ले चुका है। बाइडेन के स्वास्थ्य के बारे में पता चलने पर ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की थी।

ट्रंप ने रविवार को दूरुथ सोशल पर

हमने जी-20 की मेजबानी की, पाक ने 'टी-20' की

लंदन। शिवसेना (यूटीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सेम्बावर को आंतंकवाद का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान पर हमला किया और कहा कि यह देश दुनिया के शीर्ष लंदन में बोली प्रियंका चतुर्वेदी

20 आंतकवादियों की मेजबानी करता है। आंतकवाद शहरों के कलान, बॉडी डब्ल्यू और रोबोट इंजीनियरिंग चौंके हैं। डोमेनेट्स को उनके बीच का अंतर नहीं पता। ट्रंप की यह ट्रिप्पिंगों एसे समय में आई है कि बहु कुछ दिनों पहले ही पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन को प्रेस्टेटर कैमरों के आकाशक कर्तव्य का पता चलता है। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के रूप में हमारा कार्यकाल बहुत सफल रहा। लंदन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए



2001 को हुए हमलों के पैछेथा, का भी पाकिस्तान में एक टिकाने पर पाया लगाया गया था। उन्होंने कहा कि ओसामा बिन लादेन से लेकर, मूँह नहीं पाया कि आप से कितने लोगों ने डंपरमेंट की गई है। आप सभी को वापस घर जाना चाहिए और डॉक्यूमेंटी देखनी चाहिए कि कैसे उसे पाकिस्तान से बाहर निकाला गया, और उसे विषयों गया, सक्रिय रूप से वित्तीय गति किया गया, सहायता दी गई, प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। अपनी नियमानुसार आंतकवादियों की मेजबानी की जारी रहती है। यह उनकी घोषित नीति है। उन्होंने कहा कि अलंकारीया के लिए विवरण दिया है। इसलिए वे आपसे हाथ मिलाते हैं, लेकिन वे आपकी पीढ़ पर बार करते हैं।

पाक में मंदिर की

जमीन पर अवैध कब्जा

हैदराबाद (सिंधु)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हैदराबाद शहर में एक ऐतिहासिक मरियादी की 6 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन दूरी से लाभगम 185 किलोमीटर दूर मूसा खानियाम जिले के टांडो जाम कस्बे में रिवरार को हुआ। हिंदू समुदाय के लोगों ने जमीन पर बाहर निकला जाना चाहिए और डॉक्यूमेंटी देखनी चाहिए कि कैसे उसे पाकिस्तान से बाहर निकाला गया, और उसे विषयों गया, सक्रिय रूप से वित्तीय गति किया गया, समर्थन दी गई, प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया। इसलिए वे आपसे हाथ मिलाते हैं, लेकिन वे आपकी पीढ़ पर बार करते हैं।

हवाई यातायात की मांग बढ़ी लेकिन किराया चिंताजनक

स्वतंत्र भारत व्यारो, नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली बल्या ने सोमवार को कहा कि लागत और कर चुनौतियों में वृद्धि के बावजूद उड़ान की वास्तविक लागत में आई 40 प्रतिशत की कमी

उड़ान की वास्तविक लागत एक दशक पहले की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। आईएटीए की यहां व्यारो, नई दिल्ली के राजस्व पर 36 अब अमेरिकी डॉलर के राजस्व पर 3.7 प्रतिशत या लागत जी 8.65 करोड़ अमेरिकी डॉलर होती है। वॉल्यू ने कहा, 'हमारी लाभगम दूरी के बावजूद लाभगम नहीं हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बायु परिवहन संघ (आईएटीए) की वास्तविक लागत एक दशक पहले की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। आईएटीए की यहां व्यारो, नई दिल्ली के राजस्व पर 3.7 प्रतिशत या लागत जी 8.65 करोड़ अमेरिकी डॉलर होती है। वॉल्यू ने कहा, 'हमारी लाभगम दूरी के बावजूद लाभगम नहीं हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बायु परिवहन संघ (आईएटीए) की वास्तविक लागत एक दशक पहले की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। आईएटीए की यहां व्यारो, नई दिल्ली के राजस्व पर 3.7 प्रतिशत या लागत जी 8.65 करोड़ अमेरिकी डॉलर होती है। वॉल्यू ने कहा, 'हमारी लाभगम दूरी के बावजूद लाभगम नहीं हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बायु परिवहन संघ (आईएटीए) की वास्तविक लागत एक दशक पहले की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। आईएटीए की यहां व्यारो, नई दिल्ली के राजस्व पर 3.7 प्रतिशत या लागत जी 8.65 करोड़ अमेरिकी डॉलर होती है। वॉल्यू ने कहा, 'हमारी लाभगम दूरी के बावजूद लाभगम नहीं हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बायु परिवहन संघ (आईएटीए) की वास्तविक लागत एक दशक पहले की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। आईएटीए की यहां व्यारो, नई दिल्ली के राजस्व पर 3.7 प्रतिशत या लागत जी 8.65 करोड़ अमेरिकी डॉलर होती है। वॉल्यू ने कहा, 'हमारी लाभगम दूरी के बावजूद लाभगम नहीं हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बायु परिवहन संघ (आईएटीए) की वास्तविक लागत एक दशक पहले की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। आईएटीए की यहां व्यारो, नई दिल्ली के राजस्व पर 3.7 प्रतिशत या लागत जी 8.65 करोड़ अमेरिकी डॉलर होती है। वॉल्यू ने कहा, 'हमारी लाभगम दूरी के बावजूद लाभगम नहीं हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बायु परिवहन संघ (आईएटीए) की वास्तविक लागत एक दशक पहले की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। आईएटीए की यहां व्यारो, नई दिल्ली के राजस्व पर 3.7 प्रतिशत या लागत जी 8.65 करोड़ अमेरिकी डॉल